an>

Title: Need to develop the birthplace of Lord Mahavira as a tourist place.

श्री चिराग पासवान (जमुई) : अध्यक्ष महोदया, मेरे संसदीय क्षेत्र जमुई के खैरा थाने के रजला गांव में पिछले दिनों एक घटना घटी। 27 नवम्बर की रात को अज्ञात लुटेरों ने वहां के एक मन्दिर पर धावा बोला और वहां पर सुरक्षा में तैनात तीन सुरक्षाकर्मियों को बंधक बनाकर वहां से भगवान महावीर की धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व की मूर्ति को लूटकर फरार हो गये।

माना जाता है कि जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म मेरे संसदीय क्षेत्र जमुई के सिकन्दरा के क्षत्रियकुंड लछुआड़ में हुआ था। इसी वजह से यह स्थान जैन धर्मावलम्बियों के लिए एक बड़ा तीर्थस्थल है। माना यह भी जाता है कि भगवान महावीर के भाई नंदीवर्धन ने 2600 साल पहले इस प्रतिमा को मन्दिर में स्थापित किया था। इस घटना से जैन समाज के लोग बहुत ही आहत हैं और उन्होंने अपनी वेदना, अपनी पीड़ा के साथ मुझे सम्पर्क किया। तुरन्त ही मैंने हमारे गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह जी से इस घटना की गम्भीरता को समझते हुए मिलने का समय मांगा, ताकि जल्द से जल्द इस पर गहन जांच हो और इस पर बेहतर से बेहतर कार्रवाई की जा सके। जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल के साथ मैं गृहमंत्री जी से मिला भी और यकीनन यह केन्द्र सरकार के प्रयास का ही नतीजा है कि मूर्ति को पांच दिसम्बर को सिकन्दरा के अन्तर्गत बिछवे गांव से बरामद कर लिया गया। हालांकि बरामदगी से पहले ही राज्य सरकार ने सी.बी.आई. से इसकी जांच की मांग कर दी थी।

हालांकि यह मूर्ति बरामद हो गई है पर इससे दो महत्वपूर्ण प्रश्न खड़े होते हैं, जिसकी तरफ मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। पहला तो यह कि एक इतनी बड़ी ऐतिहासिक धरोहर की सुरक्षा क्यों इतनी कम थी कि महज कुछ लुटेरे आये और इस मूर्ति को चुराकर ले गये। दूसरी बात यह है कि राज्य सरकार ने इस घटना की जांच सी.बी.आई. को सौंपने की तत्परता तो दिखाई, लेकिन आज तक उन्होंने ऐसी तत्परता जैन समाज के इस तीर्थस्थल की समृद्धि के लिए, इसके विकास के लिए, इसकी सुरक्षा के लिए कभी भी नहीं दिखाई।

अध्यक्ष महोदया, इन सवालों के मद्देनज़र मैं आपसे, आपके माध्यम से सरकार से और खास तौर से संस्कृति मंत्रालय से यह दरख्वास्त करता हूं कि जल्द से जल्द इस धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के स्थल को एक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए स्वीकृत किया जाए, ताकि भगवान महावीर के जन्म स्थल को सारा महत्व और वह सम्मान मिले, जिसका यह स्थल हक़दार है। इससे न केवल जैन समाज के लोगों की उम्मीदें पूरी होंगी, बल्कि लछवाड़ के आस-पास के एक बड़े इलाके का समुचित विकास भी संभव हो पाएगा।

मैडम, हर शनिवार और रविवार की तरह, पिछले शनिवार और रविवार को भी मैं अपने संसदीय क्षेत्र में था। मैं लछवाड़ खुद गया। मुझे भगवान महावीर की उस मूर्ति के दर्शन का सौभाग्य मिला। वहां जाकर मैंने व्यक्तिगत तौर पर इस बात का अनुभव किया। इसलिए यह अनुरोध करता हूं कि जब तक इसे एक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित नहीं किया जाता, तब तक इस स्थल की सुरक्षा के उचित बंदोबस्त किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोहराई न जा सके।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री अश्विनी कुमार चौबे,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल एवं

डॉ. किरिट पी. सोलंकी को श्री चिराग पासवान द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जय प्रकाश नारायण यादव जी, माननीय सदस्य ने किसी का विरोध नहीं किया है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जय प्रकाश नारायण यादव जी, आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)